केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 225 बुधवार 12 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पत्रकार की हत्या से आक्रोश, भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बस्ती शाखा के जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के नेतृत्व में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को देकर सीतापुर के दिवंगत पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई के परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता दिये जाने की मांग किया है। आपको बता दें शनिवार को सीतापुर में बदमाशों ने दिनदहाड़े पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर उनकी निर्मम हत्या कर दी। भेजे गये ज्ञापन में पत्रकार की विधवा पत्नी को तत्काल एक करोड़ की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने की मांग की गई। पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को मृत्यु दण्ड दिये जाने तथा पत्रकारों की सुरक्षा के लिये कानून बनाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में राजेश कुमार पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनिल श्रीवास्तव, राकेश गिरि, रिजवान खान, मो. टीपू, शैलेन्द्र मौर्य, राकेश त्रिपाठी, हिमांशु आदि मौजूद रहे।

जयन्ती पर आयोजन 13 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बभनान (बस्ती)। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 मार्च को पूर्व राज्यसभा सांसद बाबू शिवदयाल चौरसिया एवं 15 मार्च को शोषितों वंचितों के मसीहा कांशीराम की जयंती जनपद स्तर पर मनाया जाएगा। इसी क्रम में अपना दल एस जिला इकाई बस्ती के कार्यकर्ता शिवदयाल चौरसिया की जयंती नगर पंचायत बभनान में एवं काशीराम की जयंती हर्रैया विकासखंड के औरा तोंदा चौराहे पर मनाएंगे। उक्त जानकारी प्रदेश महासचिव राम सिंह पटेल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

होली उत्सव की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक सेवा संस्था चित्रांश क्लब महिला विंग की ओर से नेहरू तिराहा स्थित एक मैरेज हाल में होली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम की अध्यक्षता आभा सिंह ने किया। जिलाध्यक्ष प्रतिमा सिंह ने कहा होली रंगों का त्योहार है और नफरत मिटाकर मोहब्बत का पैगाम देता है। इस अवसर पर हमे सभी का सम्मान करते करना चाहिये।

जबरिया किसी को रंग लगाना स्वस्थ परंपरा का हिस्सा नही है। उन्होने सुरक्षित होली मनाने का आवाह्न किया। नगर पालिका अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रही श्रीमती सीमा खरे ने कहा सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें और रासायनिक रगों की जगह प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें। होली अनुपमा पांडे, अनीता पाल, गुड्डन पांडे ने बस्तीवासियों को होली की शुभकामनायें दी। महिलाओं ने एक दूसरे से गले मिलकर फूलों की होली खेली और उन्हे अबीर गुलाल लगाया। ममता श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, गरिमा श्रीवास्तव, प्रीति सिंह, ज्योत्सना गुप्ता, सरिता श्रीवास्तव, अनीता मोदनवाल, रेखा यादव, कुमकुम सिंह, उपमा, प्रतिमा त्रिपाठी, रूबी मिश्रा, संगीता शुक्ला, शिवांगी पांडे तथा क्लब के जिलाध्यक्ष सतेन्द्र श्रीवास्तव व संस्थापक अश्वनी श्रीवास्तव उपस्थित थे।

आतंकवादियों ने हाईजैक कर लिया ट्रेन, पाक सरकार को दिया चेतावनी

पेशावर (आभा)। पाकिस्तान में आतंकियों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया है। इस घटना ने शहबाज शरीफ सरकार की नींद उड़ा दी है। इस ट्रेन में 450 से अधिक यात्री सवार हैं। सभी यात्रियों को बंदूक की नोंक पर रखा गया है। विद्रोही गुट बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। आतंकियों ने पाकिस्तान सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर यात्रियों को बचाने के लिए सेना ने एयरस्ट्राइक नहीं रोकी, तो वे सभी बंधकों को मार डालेंगे।

बलूच आर्मी ने एक बयान में कहा कि ट्रेन हाईजैक करने के बाद पाकिस्तानी सेना के जमीनी हमले को उन्होंने नाकाम कर दिया है। पाकिस्तानी सेना पीछे हट चुकी है, लेकिन हेलीकॉप्टरों और ड्रोन से हवाई हमले लगातार जारी हैं। ठस-। ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने हवाई हमला जारी रखा तो वे 100 से अधिक बंधकों की हत्या कर देंगे। बता दें कि ट्रेन हाईजैक की यह घटना पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के एक संवेदनशील इलाके में हुई है।

खबरों के मुताबिक, विद्रोहियों के हमले में ट्रेन का चालक घायल हो गया है और उसमें सुरक्षा गार्ड ने जवाबी गोलीबारी की है। 'डॉन न्यूज' ने सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद के हवाले से बताया कि यह हमला क्वेटा से पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस पर बोलन जिले में हुआ। प्रांतीय सरकार के एक बयान में कहा गया कि सिबी अस्पताल में आपातकाल लागू कर दिया गया है। उसने कहा कि एम्बुलेंस और सुरक्षा बल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

रिंद ने कहा कि पहाड़ी इलाका होने के कारण अधिकारियों को घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। बयान के मुताबिक, ''रेलवे विभाग ने बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर और ट्रेन भेजी हैं।'' बयान में कहा गया, ''घटना के पैमाने और आतंकवादी पहलू का पता लगाया जा रहा है। बलूचिस्तान सरकार ने आदेश दिया है कि आपातकालीन उपाय किए जाएं और सभी संस्थाएं सक्रिय रहें।''

इस बीच, रेलवे नियंत्रक मुहम्मद कासिफ ने बताया है कि नौ डिब्बों वाली इस ट्रेन में करीब 500 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, ''ट्रेन को सुरंग संख्या 8 में हथियारबंद लोगों ने रोक दिया गया। यात्रियों और कर्मचारियों से संपर्क करने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्टूबर में पाकिस्तान रेलवे ने डेढ़ महीने से अधिक समय के निलंबन के बाद क्वेटा और पेशावर के बीच रेल सेवाएं बहाल करने की घोषणा की थी।

व्यापारियों ने उठाया फ्लाईओवर निर्माण का मुद्दाः डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । नई बाजार से पांडेय बाजार को जोड़ने वाली सड़क जिस पर रेलवे क्रॉसिंग नंबर 199 है उसके उपर फ्लाईओवर बनाने के मांग काफी दिनों से हो रही है। लेकिन कतिपय कारणो से 2016 से प्रकरण लम्बित है। लेकिन तत्कालीन जिलाधिकारी और यहां के व्यापारियों के प्रयास से फाटक नंबर 198 बी जो नारंग रोड से शुगर मिल होते हुए बाहर निकलती है उस पर फ्लाईओवर पास हो गया है।

कतिपय लोग इसके निर्माण में अड़ंगा लगा रहे हैं और नए–नए तरीके इजाद करके उसको ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास कर रहे हैं। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को जिलाधिकारी से मिलकर अपनी बात रखी इसके। पहले भी व्यापार बंधु की बैठक में पिछले 5 महीनें से प्रकरण में वार्ता होती रही थीं। जिलाधिकारी ने संज्ञान में लेकर इसका प्रयास किया था और फ्लाईओवर की संस्तुति भी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दी गई। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि काम शीघ्र शुरू हो जाएगा। किसी भी ढंग का दबाव नही मान्य होगा और वहां पर ऊपरगामी पुल बनेगा ही बनेगा। आनंद राजपाल, रंजीत श्रीवास्तव, सूर्यकुमार शुक्ल, सतीश सोनकर आदि मौजूद रहे।

डा. वी.के. वर्मा को साहित्य सर्जक सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रसिद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा को उनके साहित्यिक योगदान के लिये समग्र चेतना साहित्यिक संस्था द्वारा 'साहित्य सर्जक' सम्मान से सम्मानित किया गया।

डा. वी.के. वर्मा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुये वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि 'मानवता के स्वर, काव्य मुखी, युग चित्र, भावानुभूति, काव्य सौरभ, 'भाव मन्थन' काव्य संग्रह एवं लघु कथा संग्रह 'सोच, कहानी संग्रह उत्कर्ष एवं 'कोविड 19 काव्य संग्रह' जैसी कृतियों की रचना सहज कार्य नहीं है. डॉ. वर्मा ने चिकित्सक और साहित्यकार दोनों सन्दर्भो में स्वयं को सिद्ध किया है। साहित्य जगत को उनसे बहुत संभावनायें हैं।

डा वी.के. वर्मा ने कहा कि अति शीघ्र तथागत गौतम बुद्ध पर उनका महाकाव्य पाठकों के समक्ष होगा। कहा कि सम्मान से और बेहतर दायित्वों के निर्वहन की रचनात्मक ऊर्जा मिलती है।

डा. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, श्याम प्रकाश शर्मा, डा. नवीन श्रीवास्तव, डा. रामजी सोनी, विनोद उपाध्याय, डा. आर. एन. चौधरी, डा. आर.जी. सिंह, दीपक सिंह प्रेमी, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक', सागर गोरखपुरी के साथ ही अनेक साहित्यकारों, चिकित्सकों, समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

सम्मानित किये गये वरिष्ठ नागरिक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । नगर पंचायत नगर में योग शिविर और वृद्ध जन सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जे० पी० नगर वार्ड के बकैनिया द्वीप अंबेडकर पार्क में हुए कार्यकम में जहां स्थानीय लोगों को योग के गुर सिखाए गए वहीं दो वृद्ध लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तम स्वास्थ्य लिए नियमित योग और व्यायाम आवश्यक है। उन्होंने योग को भारत की प्राचीन संस्कृति का हिस्सा बताते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम को अपना रही है। उन्होंने समाज के बूढ़े बुजुर्गों को प्रत्यक्ष देवी देवता की संज्ञा देते हुए कहा कि घर के वृद्ध जन हमारे लिए आदर्श हैं। उन्होंने इसे सनातन सभ्यता का अनूठा उदाहरण बताते हुए कहा कि पारिवारिक समरसता के लिए घर में बडी उम्र के लोगों का खुशहाल रहना अपरिहार्य है। योग शिविर के समापन अवसर पर पूर्व प्रमुख श्री राना ने वार्ड के 82 वर्षीय नन्दू राम और 85 वर्षीय संवारी देवी को तिलक लगाकर माल्यार्पण किया। इसके बाद दोनों को अंग वस्त्र प्रदान कर आरती उतारी और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। प्रातः हुए इस समारोह में सबसे पहले मुख्य अतिथि राना दिनेश प्रताप सिंह ने तथागत बुद्ध और बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर सभासद संदीप कुमार, राज कुमार चौधरी, राजेश कुमार पाण्डेय, रणविजय गौतम, मकरंद पाण्डेय रंजीत राव,,राकेश पाण्डेय, हनुमान प्रसाद, राम किशुन,राम धनी, खजांची, सुनील, राम अवध, राजेश कुमार,चंद्र मणि मिश्रा, राजेश त्रिपाठी, रणजीत सिंह, अमर नाथ, गंगोत्री पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय, सुनील पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही।

डीएम ने दिया स्कूली वाहनों के प्रपत्र पूर्ण कराने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में जनपद के लगभग 25 विद्यालय के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्य ने प्रतिभाग किया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त विद्यालयों में संचालित वाहनों के प्रपत्र पूर्ण करा लें। साथ ही जो स्कूली वाहन अपनी 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी है, उनको परिवहन विभाग से सम्पर्क कर पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही अवश्य सम्पन्न कराया जाए।

टैम्पों/टैक्सी/प्राइवेट वाहन पर बच्चों को लाने ले जाने हेतु विद्यालय पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाया जाए साथ ही जनपद के समस्त विद्यालयों में रोड सेफ्टी नोडल शिक्षक भी नामित किया जाये तथा नोडल शिक्षक द्वारा विद्यालय में प्रार्थना सभा/एसेम्बली के समय विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के विषय पर जानकारी प्रदान की जाये। इसी प्रकार जनपद स्तर पर नामित मास्टर ट्रेनर के द्वारा समस्त विद्यालयों में नोडल शिक्षक को शिक्षा विभाग एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जाये।

बच्चों के सुरक्षा के दृष्टिगत स्कूल के नाम पंजीकृत एवं संचालित वाहनों में जी0पी0एस0, सी0सी0टी0वी0 कैमरा, एस0एल0डी0 (निर्धारित गति सीमा 40 कि0मी0 प्रति घण्टा), वाहन के खिड़कियों पर रेलिंग बी0आई0एस0 मार्क का एक अग्निशमन यंत्र एवं आपातकालीन खिड़की अवश्य होनी चाहिए। इस सम्बन्ध में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी बस्ती को कैम्प लगाकर वाहनों पर उपर्युक्त उपकरण की जॉच कराने के भी निर्देश दिये गये। विद्यालयों को प्राइवेट वाहनों एवं टैम्पों–टैक्सी से विद्यालय बैठक का संचालन सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) बस्ती द्वारा किया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रतिपाल सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अपर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार कुशवाहा, क्षेत्राधिकारी, यातायात उप निरीक्षक, उर्मिला एजूकेशनल एकेडमी, आर0एल0एस0एम0सी0 इण्टरनेशनल स्कूल, सरस्वती शिशु मन्दिर रामबाग बस्ती, सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज शिवा कालोनी, आर0डी0 सरमाउण्ट, इण्डियन पब्लिक स्कूल, श्रीराम पब्लिक स्कूल, लिटिल फ्लावर कान्वेंट स्कूल, जागरण पब्लिक स्कूल, सवित्री विद्या बिहार, जी0बी0एम0 कान्वेंट स्कूल के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री योगी ने युवाओं में किया बिना व्याज वाले ऋण का वितरण

झांसी (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश भी अपने पूरी सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में बुंदेलखंड की ताकत का एहसास अब दुनिया करेगी। इस दौरान उन्होंने युवा उद्यमी विकास योजना के 1,070 युवाओं को लोन वितरण किया। इस योजना के तहत ब्याज और गारंटी मुक्त पांच लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। इसमें 10 प्रतिशत 'मार्जिन मनी' अनुदान के रूप में दी जाएगी।

एक दिवसीय दौरे पर झांसी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा शक्ति को सशक्त करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत झांसी और चित्रकूट मंडल के संयुक्त क्रेडिट कैंप की शुरुआत की। योगी ने प्रदेश के बदलते स्वरूप को लेकर सरकार द्वारा किए गए जा रहे प्रयासों का जिक्र किया।

मॉक ड्रिल की हुई तैयारी बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में भूकम्प पर आधारित मॉक ड्रिल तैयारी बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य भूकम्प से संबंधित तैयारियों की जांच करना और संबंधित विभागों को प्रशिक्षण देना है। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे भूकम्प और हीट वेव से संबंधित अपने स्टैण्डर्ड आपरेटिंग प्रोसीडर्स (एसओपी) तैयार करें। उन्होने कहा कि एसओपी को इस उद्देश्य से तैयार किया जाना है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में सभी विभाग उचित और त्वरित प्रतिक्रिया दे सकें।

शिकायतों का मौके पर निस्तारण करायें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, कर–करेत्तर निर्माण कार्य व आईजीआरएस सन्दर्भो की गहन समीक्षा की। जिसमें जिले के सभी सम्बन्धित अधिकारियों से सन्दर्भो के निस्तारण व विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

आईजीआरएस सन्दर्भो की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि प्रकरणों का निस्तारण इस तरह से किया जाय कि उनमें असंतुष्टि के मामले समाप्त हो जायें। इसके लिए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतें प्राप्त होने पर स्वयं मौके पर जाकर शिकायतकर्ता की बात को सुने तथा आस–पास के लोगों से भी प्रकरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर समाधान कराएं।

दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वेब मीडिया एसोसियेशन ऑफ इण्डिया (रजि.) के जिलाध्यक्ष हेमन्त पाण्डेय के नेतृत्व में पत्रकारों ने राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को सौंपा गया। ज्ञापन में सीतापुर के दिवंगत पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई के परिवार को आर्थिक सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करवाकर हत्यारों को मृत्यु दण्ड दिये जाने की मांग की गई।

इसके साथ ही पत्रकार सुरक्षा कानून बनाकर सख्ती से लागू किये जाने की मांग दोहराई गई। डब्ल्यू एम ए के जिलाध्यक्ष हेमन्त पाण्डेय संरक्षक एवं प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने कहा पत्रकार डर गया और उसकी आवाज दबाई गई तो भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होंगी ।

भेजे गये ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा कानून बनाकर उसे सख्ती से लागू किये जाने, पत्रकारों से जुड़े मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में किये जाने, पत्रकार राघवेन्द्र की विधवा पत्नी को तत्काल एक करोड़ की आर्थिक सहायता दिये जाने, उनके परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को मृत्यु दण्ड दिये जाने की मांग की गई।

ज्ञापन देते समय डब्ल्यू एम ए के संयोजक अशोक श्रीवास्तव, महासचिव दिनेश कुमार पाण्डेय, सुरेन्द्र पाण्डेय, प्रेस क्लब के पूर्व उपाध्यक्ष अरूणेश कुमार श्रीवास्तव, अरूण कुमार, राजेश पाण्डेय, विश्वपति वर्मा, सुनील कुमार सोनी, अमर सोनी, अजय कुमार श्रीवास्तव, संतोष तिवारी, रत्नेन्द्र पाण्डेय, राकेश गिरि, सुनील कुमार मिश्र आदि की उपस्थिति रही।

वार्षिकोत्सव में छा गया बचपन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के भेड़वा गांव में स्थित यशोदा एजुकेशनल एकेडमी में सोमवार की शाम प्रबंधक आनंद दूबे के नेतृत्व में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देर रात तक शमा बांधा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रवि सोनकर, भाजपा नेता प्रमोद पांडेय, ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दूबे व नगर पंचायत गायघाट अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी पिंटू ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ व नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रवि सोनकर ने कहा कि विद्यालय के छात्र–छात्राओं में जो प्रतिभा देखने को मिला वह द्वाबा क्षेत्र में संभव नही है। बच्चो में अनवरत बदलाव हो रहा है। यही ब्लाक व जनपद का नाम रोशन करेगें। बगल में राजकीय विद्यालय बनकर तैयार है। अब बालिकाओं को गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए दूर नही जाना पडेगा।

भाजपा नेता प्रमोद पांडेय ने कहा कि वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष होना चाहिए। जिससे बच्चों में सर्वांगीण विकास

- वार्षिकोत्सव अभिव्यक्ति का अवसर- अनिल दुबे

होता है। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा कि शिक्षा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होना चाहिए। जिससे बच्चों की दबी प्रतिभाएं बाहर निकलती है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण तिवारी पिंटू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार के साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रबंधक गदाधर दूबे, प्रदीप पाण्डेय, ओमकार चौधरी, आशाराम, प्रद्युमन शुक्ला, अवधेश मौर्या ने भी संबोधित किया।

विद्यालय की छात्रा छाया, खुशबू, जया, खुशी, अंशिका कशिश, प्रियंका ने सरस्वती बंदना तेरी वीणा की बन जाऊं तार व स्वागत गीत सु स्वागतम आरुषि, खुशबू, खुशी, काजल, स्वाती, रोशनी ने प्रस्तुत की। लकड़ी की काठी, देश भक्ति, बसंत गीत, मोबाइल बुरी बला, सीता स्वयंबर, किसानी गीत, हरियांणवी गीत, दहेज प्रथा, होली गीत व मनमोहक नाटक बच्चों ने प्रस्तुत कर वाह–वाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन दीपक दूबे व राजकिशोर ने किया एवं अध्यक्षता बब्बू ओझा ने किया।

कार्यक्रम में सुनील कुमार, आशाराम मौर्य, पप्पू गुप्ता, ओमकार चौधरी, माता प्रसाद, मयाराम ओझा, प्रेम प्रकाश चौधरी, रोशन अली, विवेक पांडेय, अवधेश, छोटू, मनोज कुमार, प्रभाकर, रामसजीवन, मधु वर्मा, रिया, तनु, महिमा वर्मा, राधा पांडेय, अजय ओझा, राजदेव, करुणेश मिश्र, गुलाब श्रीवास्तव, चंदन, आदित्य मिश्र, राम सागर, अजय ओझा, शोभनाथ सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने किया आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत की सरकारी सुरक्षा वापस लेने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा पर किये जा रहे व्यय पर सवाल खड़ा करते हुये कहा है कि आखिर केन्द्र की सरकार जनता के टैक्स का दुरूपयोग क्यों कर रही है। मोहन भागवत को पहले से ही जेड प्लस की सुरक्षा मिली थी, अब उसे बढाकर एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) जैसी सुरक्षा देने का औचित्य क्या है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वयं को समाज निर्माण का संगठन बताता है। देश में इस प्रकार के कई संगठन है, ऐसी स्थिति में संघ प्रमुख मोहन भागवत को प्रधानमंत्री, गृह मंत्री स्तर की सुरक्षा देने के निर्णय के पीछे मंशा क्या है। संघ परिवार के प्रमुख को आखिर किससे खतरा हो सकता है कि उन्हें इस प्रकार के उच्च श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था सरकर के व्यय पर उपलब्ध करायी जाय।

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक तरफ तो संघ परिवार स्वयं को सेवा के क्षेत्र का अग्रणी संस्था बताकर लोगों को सामान्य, सहज जीवन जीने की प्रेरणा देता है तो दूसरी ओर मोहन भागवत की सुरक्षा पर देश का करोड़ो रूपया व्यय किया जा रहा है। यह स्थितियां चौंकाती है। मांग किया कि देश हित में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को दी गई सुरक्षा को वापस लिया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 मार्च 2025 बुधवार

सम्पादकीय

तकनीक की मार और बचपन

आधुनिक तकनीकी और इंटरनेट से लैस स्मार्टफोन तक जैसे–जैसे आम लोगों की पहुंच बन रही है, वैसे–वैसे कई स्तर पर इसके नुकसान भी सामने आ रहे हैं। खासकर स्मार्टफोन में गेम खेलने की लत का सबसे ज्यादा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ा है, जिनका व्यक्तित्व इससे बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। यह चिंता आम है कि मोबाइल में गेम की लत के चलते बच्चों की पढ़ाई–लिखाई बाधित हो रही है। मगर ज्यादा त्रासद घटनाएं वे हैं, जिनमें हमेशा स्मार्टफोन देखने या गेम खेलने की आदत की वजह से बच्चे अपने परिजनों पर हमला कर देते या फिर अपनी ही जान ले लेते हैं।

गौरतलब है कि ओड़ीशा में जगतसिंहपुर जिले के जयबाड़ा सेठी साही गांव में एक छात्र ने आनलाइन गेम खेलने से मना करने पर पत्थर से हमला कर अपने माता–पिता और बहन की हत्या कर दी। खुद को रोके जाने के बाद उसके दिमाग पर हिंसा इस कदर हावी हुई कि उसने तीनों का सिर पत्थर से कुचल दिया। यह आधुनिक तकनीक का ऐसा चेहरा है, जो बेहद घातक नतीजों के चलते चिंता का कारण बन रहा है। सवाल है कि इंटरनेट की सुविधा से लैस स्मार्टफोन का पर्दा आखिर इतना गहरा मनोवैज्ञानिक असर कैसे डाल रहा है कि कोई व्यक्ति इसके सम्मोहन में आसपास की दुनिया से लेकर खुद की अहमियत भी भूल जाता है। इसमें गुम रहने से या इसकी लत लग जाने के बाद मस्तिष्क की बनावट में कैसे बदलाव होते हैं कि एक किशोर या युवा की नजर में जीवन और उसकी वास्तविकताओं की कोई कीमत नहीं रह जाती?

यह स्थिति तकनीक को लेकर हद से ज्यादा मुग्ध होने को कठघरे में खड़ा करती है और इसके सीमित इस्तेमाल की जरूरत रेखांकित करती है। मोबाइल में गुम रहने की लत के चलते बच्चों तक के बीच आत्महत्या या हत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। अगर समय रहते इसे रोकने की ठोस और नीतिगत पहल नहीं की गई, तो आने वाले वक्त में इसके बेहद दुखद नतीजे देखने को मिल सकते हैं। कई देशों में बच्चों और किशोरों की इंटरनेट तक पहुंच को सीमित किया गया है, लेकिन इस मसले पर एक व्यापक नीति की जरूरत है।

कांग्रेस की मुश्किलें और राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिस तरह की साफगोई दिखाई, उसे उनके किसी सामान्य बयान की तरह नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक तौर पर पार्टी नेताओं के एक हिस्से को विरोधी पार्टी से मिलीभगत का दोषी बताना किसी भी नेतृत्व के लिए जोखिम भरा काम है। कांग्रेस नेतृत्व ने यह जोखिम सोच–समझ कर ही उठाया होगा, लेकिन इसके पीछे वास्तव में उसकी कितनी तैयारी है, यह पार्टी के आगामी कदमों से स्पष्ट होगा। चुनावी नफा–नुकसान रू राहुल गांधी के बयान की कुछ बातें खास तौर से ध्यान देने लायक हैं। मसलन– उन्होंने पार्टी की विचारधारा को सर्वोच्च कसौटी बनाने की बात कहते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि इसे वे चुनावी हार–जीत से जोड़कर न देखें। जाहिर है, उनकी नजर इस बात पर है कि कांग्रेस सही अर्थों में बीजेपी का विकल्प बनी रहे।

अन्य दलों से अलग रू ध्यान देने की बात है कि राहुल गांधी अपने भाषणों में बीजेपी के मौजूदा नेतृत्व की या बीजेपी की ही आलोचना तक खुद को सीमित नहीं रखते। वह बहस को सावरकर बनाम गांधी और संघ बनाम कांग्रेस की ओर ले जाने की कोशिश लगातार करते रहे हैं। विपक्षी ब्लॉक इण्डिया के अन्य दल और नेता इस मामले में उतने आक्रामक नहीं दिखते। इस लिहाज से अहमदाबाद में कही गई राहुल गांधी की बातें उनके दीर्घकालिक नजरिए के अनुरूप ही हैं।

अगर राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी को अपनी इस लाइन पर संगठित करते हुए कथित बीजेपी समर्थक मन–मिजाज वाले नेताओं से पार्टी को मुक्त कर लेते हैं तो वोटरों के लिहाज से यह इस मायने में अच्छा होगा कि उनके सामने दोनों विकल्प पूरी तरह स्पष्ट होंगे। वे चाहें तो भारतीयता को लेकर संघ की दृष्टि को चुनें या कांग्रेस के नजरिए से सहमति दिखाएं या बारी–बारी दोनों को आजमाते रहें। लेकिन ऐसा नहीं होगा कि एक के भ्रम में दूसरे को चुन लें और छला हुआ महसूस करें।

बहरहाल, एक राजनीतिक दल के रूप में कांग्रेस को हर चुनाव का सामना करना है। ऐसे में उसका नेतृत्व चाहे या न चाहे उसके हर कदम, हर फैसले को चुनावी कसौटी से गुजरना ही होगा। राहुल गांधी के ताजा बयान की भी सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि दो साल बाद होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव में वह पार्टी के लिए कितना फायदेमंद या नुकसानदेह साबित होता है।

अवसरवाद की गिरफ्त में राजनीति

—मोहन लाल—

2014 के लोकसभा चुनावों के बाद देश की राजनीति में बड़े बदलाव आ गए हैं। कभी समय हुआ करता था तब देश की राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज हुआ करता था। समय क्या बदला कि 2014 के बाद कांग्रेस के एक के बाद एक चुनाव में पैर उखड़ते गए। कभी वक्त था कि देश में प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और उनके बाद श्रीमती इंदिरा गांधी का राजनीति में वर्चस्व था। वक्त का करिश्मा देखिए कभी भारत की राजनीति में साम्यवादी, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष ताकतों का जोर था। कामरेड ए.के. डांगे, ज्योति बसु, कामरेड हरि कृष्णा, सुरजीत और कामरेड प्रकाश करत की सभी राजनीतिक दलों में पैठ हुआ करती थी। समय क्या गुजरा कि वामपंथी कहीं नजर नहीं आ रहे। कभी समय था केरल, पश्चिमी–बंगाल, मणिपुर, त्रिपुरा जैसे राज्य वामपंथियों के हाथों में थे। आज इन राज्यों में ममता बनर्जी और भाजपा शासन चला रहे हैं।

देश की राजनीति लालू प्रसाद यादव, शरद यादव और मुलायम सिंह के इर्द–गिर्द घूमती थी। आज यादवों का कुनबा या तो बिखर गया है या कोई प्रभु को प्यारा हो गया। दक्षिण भारत की राजनीति में कभी अन्नादुरई, कभी सी. रामचंद्रन, कभी करुणानिधि और कभी जयललिता का डंका गूंजता था। आज स्टालिन दक्षिण की राजनीति को संभाल रहे है। कभी आंध्र प्रदेश में फिल्मी अदाकार भारत की राजनीति को आकच्छत करते थे तो आज उन्हीं के दामाद चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश की राजनीति के प्रनेता बन गए हैं। कल जिन्हें नेता अपना राजनीतिक गुरु कहते थे आज वही नेता गुरु की पीठ में छुरा घोंप कर नए नेता बन गए हैं। भारत की राजनीति में कोई किसी का सगा–साथी नहीं। सभी राजनेता अपनी–अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी कर रहे हैं। जन सेवा किसी के हृदय में नहीं है। मैं, बस मैं। बाकी जो सत्य और धर्म की राजनीति की बात करेगा उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। राजनीति में सब खंजर लिए फिर रहे हैं। मैं स्वयं इस महत्वाकांक्षी राजनीति के कारण 16 सालों से हाशिए पर हूं। अपने सामने राजनीति के धुरंधर जनसंघ के संस्थापक, जम्मू–कश्मीर का भारत में विलय करवाने वाले, 1961 में लोकसभा सदस्य बनने वाले प्रो. बलराज मधोक का 94 वर्ष की आयु में घुट–घुट कर अपनी आंखों के सामने, गुमनामी में मरते देखा। 'जनसंघ बनाने वाले प्रो. बलराज मधोक को तब पार्टी आकाओं ने पार्टी से निष्कासित कर दिया। चेले और अपने कहे जाने वाले, दुर्दिनों में एकदम अपने गुरु और राजनेता को छोड़ जाते हैं। वर्तमान राजनीति 'आया राम, गया राम' से प्रभावित हो गई है। राजनीति के 60 सालों में मैंने तो यही देखा है। आपका क्या हुआ, मुझे पता नहीं। आओ थोड़ा आगे बढ़ कर राजनीति के बदलते स्वरूप पर नजर डालें। एक पार्टी और उसके एकछत्र राज का अंत रू 50 साल इस देश की राजनीति को कांग्रेस ने अपने अनुसार चलाया। आज वही कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है। नेता विहीन कांग्रेस पार्टी। 1989, 1991, 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस लगातार हार रही है। 2014 के बाद कांग्रेस का स्थान भारतीय जनता पार्टी ने ले लिया है।

लगता नहीं कि कांग्रेस पुनरू जागृत होगी। कांग्रेस अब सिर्फ अतीत की बात बन गई है। कई दल तो सुन्न अवस्था में पहुंच गए हैं। पंजाब की सबसे पुरानी पार्टी 'शिरोमणि अकाली दल' पंजाब में ही हंसी का पात्र बन गई है। महाराष्ट्र में बाला साहिब ठाकरे की शिवसेना' को उनके पुत्र उद्धव ठाकरे संभाल ही नहीं सके। बिहार में आर.जे.डी. प्रमुख एक तो बूढ़े हो गए दूसरा मोदी सरकार उन्हें जेल से ही बाहर नहीं आने देती। यू.पी. में समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव योगी आदित्यनाथ का मुकाबला नहीं कर सकते। दिल्ली में केजरीवाल को भाजपा वालों ने लूट लिया। आज 'आप' के विधायक विधानसभा परिसर में धरना दे रहे हैं। भारत की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का लगातार बढ़ता प्रभाव रू 24 जून, 2008 को 748 क्षेत्रीय दलों के चुनाव आयोग ने नाम दर्ज किए। जब भी किसी क्षेत्रीय दल में राजनेताओं को महत्वपूर्ण पद नहीं मिलता, वे एक नया दल बना लेते हैं। क्षेत्रीय दलों में गुटबंदी, भारत की राजनीति के विकास को रोक रही है।

कांग्रेस ने 1998, 1999, 2004, 2009 के लोकसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों से समझौता कर चुनाव लड़े। भारतीय जनता पार्टी ने भी 1998 के लोकसभा चुनावों में 15 क्षेत्रीय दलों से समझौता किया। 1999 में 25 क्षेत्रीय दलों से गठबंधन किया। 19 मार्च, 1998 में अटल बिहारी ने 2 राष्ट्रीय और 15 क्षेत्रीय दलों से मिलकर सरकार बनाई। जून 1996 को देवेगौड़ा ने, 21 अप्रैल 1997 में श्री इंद्र कुमार गुजराल और चंद्रशेखर ने क्षेत्रीय दलों से मिलकर प्रधानमंत्री पद हासिल किए। 13 अक्तूबर 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी ने पुनरू 23 क्षेत्रीय दलों से मिलकर 'जनतांत्रिक गठबंधन' बनाया। 22 मई 2004 और मई 2009 में मनमोहन सिंह ने 12 क्षेत्रीय दलों के सहयोग से सरकारें बनाईं। मोदी ने भी 2014 से 2024 तक अपने सहयोगियों को छोड़ा नहीं।

आज राजनीति का धनीकरण हो गया है रू बड़े–बड़े साहूकारों को राजनीति की चटक लग गई है। कई धनी व्यक्ति बैंकों का पैसा लूट विदेशों में भाग गए हैं। अंबानी, अडानी की जय–जयकार हो रही है। रोजमर्रा की वस्तुएं गरीब आदमी के हाथ से छूट रही हैं। मध्यम वर्ग सहमा हुआ है। राजनेताओं तक तो साधारण व्यक्ति पहुंच ही नहीं पा रहा । राजनीति अभद्र भाषा, बेबुनियाद आरोपों और गाली देने वाली बन गई है। हां, 2014 के बाद देस में अस्थिरता खत्म हुई है।

असंतुलित आर्थिक नीतियां और अमीरी गरीबी

— योगेन्द्र योगी–

देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13–14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरों और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावध ान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा!

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपये तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन–परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और कुल लोन का 13 प्रतिशत है। अमीर–गरीब के बीच की खाई भारत में कभी छिपी नहीं रही है। यह खाई और चौड़ी हो गई है। माइक्रोफाइनेंस का मतलब है गरीब परिवारों को बिना गारंटी के लोन देना। इन परिवारों की सालाना कमाई 3 लाख रुपये से कम होती है। ज्यादातर महिलाएं इन लोन का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ज्यादा लोन देने की होड़ में हालात बिगड़ रहे हैं। बंध ान बैंक, इंडसइंड, आईडीएफसी फर्स्ट जैसे बैंकों के एनपीए बढ़ गए हैं। बंध ान बैंक के 56,120 करोड़ रुपये के लोन में से 7.3 प्रतिशत एनपीए हो चुके हैं। एनपीए वो कर्ज है जिसकी कोई भी किश्त 180 दिनों तक चुकाने में लेनदार असफल हो जाता है। इसके बाद बैंकों को इस तरह के लोन को एनपीए में डालना होता है। हालांकि इस लोन की वसूली की कोशिश जारी रहती है और कई बार ये पूरा या आंशिक तौर पर वापस मिल जाता है।

आंकड़ों के मुताबिक 91 से 180 दिन का बकाया लोन कुल आउटस्टैंडिंग का 3.3 फीसदी है, जबकि 180 दिन से ज्यादा बकाया लोन 9.7 प्रतिशत है। माइक्रोफाइनेंस को लेकर अब संस्थान भी सतर्कता बरत रहे हैं। क्योंकि उन्हें एनपीए अभी और बढने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन पर रिस्क वेट घटाया इसी बीच बिजनेस लोन पर जोखिम वेट 125 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है, जिससे बैंकों को राहत मिलेगी। छोटे बैंकों को हो रहे नुकसान को देखते हुए इस नियम में बदलाव से इन्हें फायदा मिल सकता है। देश में बढ़ती आर्थिक असमानता की तरफ पूर्व में चेतावनी मिल चुकी है। 12 अप्रैल 2024 को पेरिस स्थित शोध संगठन वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की ओर जारी एक शोधपत्र में बताया गया था कि देश के शीर्ष एक फीसद तबके की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। शोधपत्र के निष्कर्षों में कहा गया है कि साल 2023 तक सबसे अमीर एक फीसद भारतीयों के पास देश की आय का 22.6 फीसद और संपत्ति का 40 फीसद हिस्सा था। इनकम ऐंड वेल्थ इनइक्वेलिटी इन इंडिया, 1922–2023 द राइज ऑफ बिल्यनेर राज शीर्षक वाले शोधपत्र के अनुसार आजादी के बाद से 1980 के दशक की शुरुआत तक गैर–बराबरी में कमी आई थी लेकिन इसके बाद इसमें बढ़ोतरी शुरू हो गई और 2000 के दशक की शुरुआत में यह बहुत तेज गति से बढ़ी। देश के शीर्ष एक फीसद लोगों ने 2022–23 में औसतन 53 लाख रुपए कमाए, जो औसत भारतीय की आय से 23 गुना अधिक है जिसने 2.3 लाख रुपए की आय सृजित की। देश के निचले पायदान के 50 फीसद और बीच के 40 फीसद लोगों की औसत आय क्रमश 71, 000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.3 फीसद) और 1,65,000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.7 फीसद) रही सबसे अमीर 9,223 लोगों (9. 2 करोड़ वयस्क भारतीयों में से) ने औसतन 48 करोड़ रुपए कमाए (औसत भारतीय आय से 2,069 गुना)।

भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद निजी उद्यम में वृद्धि और पूंजी बाजार की वृद्धि ने शीर्ष के कुछ ही लोगों के हाथों में संपत्ति का सिमटना बढ़ाया है। उदारीकरण के बाद से सेवा की अगुआई में हुई आर्थिक वृद्धि के भी असमानताकारी असर हुए। इस पूरे हालात से साफ है कि भारत की खपत ग्रोथ संतुलित नहीं है। एक तरफ जहां अमीर और अमीर हो रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब जिसके लिए आने वाले समय में सरकार को बड़े कदम उठाने होंगे जिससे आर्थिक असमानता कम हो सके।

धर्म के नाम पर खूनी संघर्ष

—राकेश कुमार आर्य–

मजहब के नाम पर ईसाइयों, यहूदियों और मुसलमानों के बीच एक से एक बढ़कर खूनी संघर्ष हुए हैं। जिनमें मानवता का भारी अहित हुआ है। लाखों लोगों को इन युद्धों में या तो अपने प्राण गंवाने पड़े या फिर विस्थापित होने के लिए विवश होना पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों के धर्मांतरण किए गए और जिन लोगों ने धर्म परिवर्तन से मना किया, उनके साथ अमानवीय और पैशाचिक अत्याचार किए गए। इनकी वीभत्सता को देखकर मानवता भी कराह उठी।

ध्यान रहे कि ईसाइयत और इस्लाम दोनों ही अपने आपको शांति का धर्म कहते हैं और इस बात के लिए अपनी पीठ को स्वयं ही थपथपाते रहते हैं कि उन्होंने ही संसार को सभ्यता और संस्कृति सिखाई है। ये दोनों ऐसा भी दावा करते हैं कि संसार में मानवता और मानवीय मूल्यों को भी उन्होंने ही स्थापित किया है और इन सब बातों को लेकर उनका एक गौरवपूर्ण अतीत है। जबकि 300 वर्ष तक इन दोनों ने जिस प्रकार मानवता का संहार किया है, उसकी जिम्मेदारी लेने से ये भागते हैं। यद्यपि यह इतिहास का एक क्रूर सत्य है।

'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' का राग अलापने वाले लोगों को इन धर्मयुद्धों के हुए भारी विनाश को अवश्य पढ़ना व समझना चाहिए।

विकिपीडिया ' के अनुसार यूरोप के ईसाइयों ने 1095 और 1291ई0 के बीच अपने धर्म की पवित्र भूमि फिलिस्तीन और उसकी राजधानी जेरुसलम में स्थित ईसा की समाधि ा का गिरजाघर मुसलमानों से छीनने और अपने अधिकार में करने के प्रयास में जो युद्ध किए उनको सलीबी युद्ध, ईसाई धर्मयुद्ध, क्रूसेड अथवा क्रूस युद्ध कहा जाता है। इतिहासकार ऐसे सात क्रूस युद्ध मानते हैं।

जेरुसलम नगर की स्थिति

जेरुसलम नगर में एक बड़ा गिरजाघर था जिसे रोम के प्रथम ईसाई सम्राट् कॉन्स्टेंटिन की माँ ने ईसा की समाधि के पास चौथी सदी में बनवाया था।

वास्तव में जेरूसलम या कोई अन्य ऐतिहासिक स्थल हो, ये सभी कभी न कभी आर्य राजाओं के अधीन रहे हैं। जब आर्य राजाओं का शासन, प्रशासन और अनुशासन ढीला पड़ा तो यहाँ पर विभिन्न संप्रदायों ने विकास करना आरम्भ किया। कालांतर में जब यह स्थान ईसाई सम्प्रदाय के अधीन हुए तो यहाँ पर उन्होंने अपने–अपने ढंग से अपने धर्म स्थल स्थापित किए।

जब यह क्षेत्र रोम के साम्राज्य का हिस्सा बना तो उसके शासक चौथी सदी से ईसाई मतावलम्बी हो गए थे। इसके पश्चात् अगले 300 वर्ष तक यहाँ पर ईसाई लोग अपने ढंग से शासन करते रहे और यहाँ के समाज को अपने धार्मिक रीति रिवाज और मान्यताओं के आधार पर शासित करते रहे। आगे चलकर जब 610 ईस्वी में इस्लाम की स्थापना हुई तो ईसाइयत और इस्लाम में उस समय प्रचलित अन्य सम्प्रदायों और उनकी सत्ताओं के लिए खतरे की घंटी थी, क्योंकि इस सम्प्रदाय ने प्रारम्भ से ही अपने प्रचार प्रसार और विस्तार पर कार्य करना आरम्भ कर दिया था। जिसके चलते इन दोनों सम्प्रदायों के मध्य टक्कर होनी ही थी। सातवीं शताब्दी में इस्लाम ने अपनी विस्तारवादी योजना पर बड़ी तीव्रता से काम करना आरम्भ किया। पैगम्बर के उत्तराधिकारी खलीफाओं ने अपने निकटवर्ती और दूरस्थ देशों पर अपना शासन स्थापित करने में अप्रत्याशित रूप से सफलता प्राप्त करनी आरम्भ की। जिससे उनका मनोबल बढ़ता गया और उनकी लूट व डकैती की भावना भी बलवती होती चली गई। जब इस्लाम ने धार्मिक साम्प्रदायिक अत्याचार करता हुआ मुसलमानों का यह बेड़ा फिलिस्तीन की ओर बढ़ा तो उसे फिलिस्तीन को अपने अधीन करने में मात्र 10 वर्ष का ही समय लगा।

टकराव की प्रारम्भिक अवस्था

इस प्रकार ईसाइयों का यह पवित्र धर्मस्थल मुसलमानों के अधिकार क्षेत्र में आ गया। कुछ समय तक तो मुसलमानों ने यहूदियों को अपने इस धर्म स्थल पर अपनी पूजा पाठ करने में कोई किसी प्रकार की विशेष बाधा उत्पन्न नहीं की, परन्तु धीरे–धीरे जब उनका चारों ओर वर्चस्व स्थापित हो गया तो 11वीं सदी में यह स्थिति बदल गई। जब मुसलमानों ने अपनी जनसंख्या में पर्याप्त वृद्धि कर ली तो उन्होंने यहूदियों को आँखें दिखानी आरम्भ कर दीं। मुसलमानों की यह विशेषता प्रारम्भ से ही रही है कि वे जब कहीं किसी क्षेत्र विशेष में कम संख्या में होते हैं तो शांतिवादी बनकर रहते हैं और जैसे ही उनकी संख्या बढ़ती है तो वे विपरीत धर्मावलंबियों को जीना कठिन कर देते हैं।

इस समय सल्जूक़ (तुर्कों का एक सेनापति) तुर्कों ने कैस्पियन सागर से जेरुसलम तक अपनी शक्ति में पर्याप्त वृद्धि कर ली। सल्जूकों ने कई देशों के साथ– साथ फिलिस्तीन पर भी कब्जा किया और जेरूसलम तथा वहाँ के पवित्र स्थान 1071 ई. तक उसके अधीन हो गए। मुसलमानों ने जैसे ही इस पर अपना साम्प्रदायिक शिकंजा कसा तो उसका परिणाम यह हुआ कि ईसाइयों की यात्रा कठिन और संकटभरी हो गई।

उस समय नार्मन लोग इंग्लैंड के शासक थे। फ्रांस के एक भाग पर पहले से ही उनका आधिपत्य था। 1070 ईस्वी के लगभग उन्होंने अपनी शक्ति में और अधिक वृद्धि करते हुए सिसिली द्वीप मुसलमानों से जीत लिया। उससे मिला हुआ इटली का दक्षिणी भाग भी अपने अधिकार में लेने में सफलता प्राप्त की। फलस्वरूप भूमध्यसागर, जो उत्तरी अफ्रीका के मुसलमान शासकों के दबाव में था, इस समय के ईसाइयों के लिए खुल गया।

395 ई. में रोमन साम्राज्य दो भागों में बँट गया था। पश्चिमी भाग की राजधानी रोम थी। यह साम्राज्य 476 ई0 में उत्तर की बर्बर जातियों के आक्रमण से टूट गया। ईसाई जगत् के पूर्वी भाग की राजधानी कुस्तुंतुनियाँ (इस्तांबुल नगर) में थी और वहाँ ग्रीक (यूनानी) जाति के सम्राट शासन करते थे। पूर्वी यूरोप के अतिरिक्त उनका राज्य एशिया माइनर पर भी था। तुर्कों ने एशिया माइनर के अधिकांश भाग पर कब्जा कर लिया था, केवल राजधानी के निकट का और कुछ समुद्रतट का क्षेत्र रोमन (जाति से ग्रीक) सम्राट् के पास रह गया था। सम्राट् ने इस संकट में पश्चिमी ईसाइयों की सहायता माँगी। रोम का पोप स्वयं ही पवित्र भूमि को तुर्कों से मुक्त कराने का इच्छुक था।

वास्तव में ईसाई और मुस्लिम शासकों की इस प्रकार की सोच व दृष्टिकोण से पता चलता है कि यह एक–दूसरे की भूमि और संपत्ति पर षड्यंत्र पूर्ण ढंग से कब्जा करने की योजनाओं में लगे हुए थे। इनका उद्देश्य जनहित नहीं था, बल्कि स्वार्थ और धनहित के दृष्टिकोण से यह ऐसा करते जा रहे थे।

रंजिश में युवक की ईंट से सिर कूंचकर हत्या

संवाददाता–बहराइच। नानपारा इलाके के केशवापुर गांव में एक युवक की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी गई। गिरने से बेहोश युवक पर ईंटों से कई वार किए। बेरहमी से हत्याकर आरोपी वहीं खड़ा रहा सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। दिन दहाड़े हुई इस वारदात से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। गांव में पुलिस तैनात है। मृतक के विरुद्ध भी 11 माह पूर्व जानलेवा हमले के मामले में केस दर्ज किया गया था।

घटना मंगलवार की है। नानपारा कोतवाली के बहादुरपुरवा निवासी 42 वर्षीय शमसुद्दीन उर्फ पहाड़ी पुत्र सज्जन उर्फ सजनू मंगलवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे बाइक से लगभग तीन किमी दूर सड़क पार गांव केशवपुर पहुंचे थे। जैसे ही वह छब्बा के खेत स्थित मवेशियों की घारी के सामने पहुंचा। इसी दौरान केशवापुर गांव निवासी पारसनाथ राजपूत ने उसे रोका। कहासुनी होने पर पारसनाथ ने पहाड़ी को सड़क पर पटक पटक कर मार डाला। सड़क पर गिराकर उसका गला दबाने की कोशिश की। सिर पर ईंट से कूंचकर तब तक कई वार किए, जब तक उसकी जान नही निकल गई। इस वारदात से गांव में अफरातफरी व दहशत फैल गई। हमलावर पारस के पास कोई नहीं फटका। न ही हमलावर ने फरार होने की कोशिश की। वह वहीं शव व क्षतिग्रस्त की गई बाइक के पास ही तब तक खड़ा रहा, जब तक पुलिस नहीं पहुंची। पुलिस के आने पर उसने आत्म समर्पण कर दिया। पुलिस ने तत्काल उसे कब्जे में लेकर कोतवाली भेज दिया है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। सीओ प्रधुम्न सिंह, कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ गांव में मौजूद हैं। शव व बाइक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। मृतक के रोते बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं।

दो स्कूलों से चोरों ने हजारों का माल पार किया

संवाददाता–श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसोहना में स्थित कम्पोजिट विद्यालय परसोहना में सोमवार रात चोरों ने ताला तोड़कर हजारों का माल पार कर दिया। प्रधान शिक्षक रमेश कुमार यादव ने थाने में तहरीर देकर बताया कि चोर दो इनवर्टर, तीन बैटरी, एक बोरी चावल, सब्जी, मसाले, साउंड सिस्टम, खेल सामग्री, नन्ही कली योजना के बैग, पंखा व विद्यालय के कुछ जरूरी दस्तावेज चोरी कर ले गए। मंगलवार को जब वह विद्यालय पहुंचे तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई।

10 लाख रुपये की जमीन दो लाख में लेकर एक लाख छीने, जमीन अनुबंध कराने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। सीधे साधे व अनपढ़ वृद्ध से छलपूर्वक उनकी जमीन का अनुबंध कराने वाले गैंग के चार आरोपियों को रेहरा बाजार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में ग्राम केराडीह निवासी कृष्ण मोहन पांडेय उर्फ चिंताराम पांडेय, ग्राम बसावन बनकट थाना रेहरा बाजार निवासी अरुन यादव, ग्राम रेहरा निवासी चिन चतुर्वेदी व ग्राम देवारी खेरा थाना रेहरा बाजार निवासी प्रहलाद वर्मा की गिरफ्तारी हुई है।

आरोपियों ने 10.11 लाख रुपये की 3.04 बीघा जमीन का दो लाख रुपये देकर अनुबंध कराया। बैंक से दो लाख रुपये अनपढ़ वृद्ध से निलवाया और धमका कर आरोपियों ने एक लाख रुपये छीन लिया। थाना रेहरा बाजार क्षेत्र के ग्राम केराडीह निवासी राम कृपाल उर्फ ननकू ने अक्तूबर 2024 में पुलिस को तहरीर दिया था। वृद्ध ने तहरीर में आरोप लगाया था कि घर निर्माण कराने के लिए ऋण दिलाने के नाम पर चिंताराम व अन्य तीन आरोपियों ने उनकी तीन बीघा चार विस्वा जमीन का अनुबंध करा लिया।

जमीन का सर्किल रेट 10 लाख 11 हजार रुपये है जिसमें दो लाख रुपये देकर उनकी जमीन का रजिस्टर्ड अनुबंध करा लिया। उसी दिन वृद्ध को धमकी देकर एक लाख रुपये वापस भी ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि राम कृपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके अतिरिक्त निरीक्षक अशोक सिंह जांच सौंपी गई। एसपी विकास कुमार ने मंगलवार को आरोपियों की गिरफ्तारी का खुलासा किया। कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि राम कृपाल को हम लोगों ने सरकारी ऋण दिलाने के नाम पर उनकी कीमती जमीन को धोखे से रजिस्टर्ड अनुबंध करा लिया था। कुछ दिन बाद जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। राम कृपाल को मारकर कुआनों नदी में फेंक देने की धमकी दी और उसी दिन बैंक ले जाकर एक लाख रुपये वापस ले लिया।

बीवी से लड़ने के बाद युवक ने खुद को लगाई आग, बुरी तरह झुलसा, उत्पीड़न का लगाया आरोप

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज मुख्यालय परिसर में तहसील के पास अपनी चाय की दुकान पर मंगलवार को पत्नी पर उत्पीड़न का आरोप लगा एक युवक ने खुद को आग लगा ली। देखते ही देखते वह बुरी तरह झुलस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। मुख्यालय परिसर में तहसील के पास अपनी चाय की दुकान पर मंगलवार को पत्नी पर उत्पीड़न का आरोप लगा ग्वालियर का एक युवक हाथ में पेट्रोल का बोतल व लाइटर लेकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। इससे भीड़ एकत्र हो गई। थोड़ी ही देर में लाइटर जला दिया। इससे पेट्रोल में आग पकड़ लिया और युवक बुरी तरह झुलस गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। झुलसे युवक को पत्नी इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गई।

ग्वालियर का रहने वाले बाबू खान के बेटे साबिर खान की चौपरिया गांव की एक लड़की से सात साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों चौपरिया गांव में किराये पर कमरा लेकर रह रहे थे। दोनों की दो बच्चियां भी हैं। बड़ी बेटी पांच साल व छोटी बेटी एक साल की है। परिवार के भरण–पोषण के लिए साबिर ने तहसील के सामने कलक्ट्रेट पुलिस चौकी के समीप एक छोटी चाय की दुकान खोला है। पैसे को लेकर आए दिन दोनों में विवाद हो रहा था। मंगलवार को भी दोनों में दुकान पर ही विवाद होने लगा। साबिर हाथ में पेट्रोल से भरा बोतल भी लिया था। अचानक पेट्रोल में आग पकड़ ली, जिससे वह जलने लगा। यह देख सनसनी मच गई। युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेजा गया, जहां से उसे मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार रॉय ने बताया युवक के झुलसने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

जिला अस्पताल से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। शिकायती पत्र मिलने के बाद उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701003036357R/	PM5172425003424/	श्रीमती रूकमणी देवी पत्नी चान्डू मल सिन्धी	सविता गुप्ता	मनोज कुमार	रजि० सेल डीड
2	0951701008032962R/	PM5172425003419/	श्रीमती सीतामणि मिश्रा पत्नी वीरेन्द्र मिश्र	विनय स्वरूप मिश्रा	विरेन्द्र मिश्रा	वारिसान
3	0951701004026598R/	PM5172425003417/	त्रिलाकी पुत्र शिवराज	राजेश्वर प्रसाद	तारा प्रसाद	वारिसान
4	0951701001024650R/	PM5172425003411/	छोटेलाल पुत्र बद्री	राम आसरे	छोटेलाल	वारिसान
5	0951701008032559R/	PM5172425003410/	श्री रत्नाकर द्विवेदी पुत्र चन्द्रशेखर	जितेन्द्र कुमार दूबे	रत्नाकर द्विवेदी	वारिसान
6	0951701008031557R/	PM5172425003409/	श्रीमती सरोज देवी पुत्री स्व० सुभाष	चन्द्रिका प्रसाद	राम बृक्ष	रजि० सेल डीड
7	0951701008034200R/	PM5172425003408/	अब्दुल रज्जाक पुत्र बुद्ध	फूला देवी	राधेश्याम	रजि० सेल डीड
8	0951701005026081R/	PM5172425003407/	श्री सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव, अमरदीप श्रीवास्तव पुत्र शैलेश कुमार श्रीवास्तव व श्रीमती निर्मला श्रीवास्तव पत्नी शैलेश कुमार श्रीवास्तव	संजीव कुमार पाण्डेय	चन्द्र पाल पाण्डेय	रजि० सेल डीड
9	0951701002035504R/	PM172425003406/	चन्द्रावती देवी	ममता गुप्ता	विजेन्द्र गुप्ता	रजि० सेल डीड
10	0951701004027849R/	PM5172425003404/	चन्दन कुमार, रजन कुमार पुत्र आलोक श्रीमती कुमकुम पत्नी आलोक, इला देवी पत्नी अशोक, सार्थक चन्द्र पुत्र प्रकाश चन्द्र	संजीव कुमार भट्टाचार्य	सार्थक चन्द्र भट्टाचार्य	वारिसान
11	0951701002025496R/	PM5172425003383/	रामकिशोर पुत्र द्वारिका	राम शंकर	द्वारिका प्रसाद	रजि० सेल डीड
12	0951701006028399R/	PM5172425003388/	श्री हनुमान शरण, बाबूमुनि मिश्रा पुत्रगण लक्ष्मी नारायण	लता मिश्रा	बद्री विशाल मिश्रा	रजि० सेल डीड
13	0951701006028401R/	PM5172425003389/	श्री हनुमान शरण, बाबूमुनि मिश्रा पुत्रगण लक्ष्मी नारायण	लता मिश्रा	बद्री विशाल मिश्रा	रजि० सेल डीड
14	0951701006028398R/	PM5172425003387/	श्री हनुमान शरण, बाबूमुनि मिश्रा पुत्रगण लक्ष्मी नारायण	लता मिश्रा	बद्री विशाल मिश्रा	रजि० सेल डीड
15	0951701008037929R/	PM5172425003376/	अभिजापति त्रिपाठी पुत्र स्व0 कमलापति त्रिपाठी	विनय कुमार	अब्धिजापति त्रिपाठी	वारिसान
16	0951701002035623R/	PM5172425003437/	त्रिवेणी प्रसाद गुप्ता, पुत्र स्व0 श्री हीरालाल	अजय कुमार बरनवाल विजय कुमार बरनवाल	त्रिवेनी प्रसाद बरनवाल	रजि० वसीयत

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः–7514A / न0पा0प0 बस्ती / कर अनुभाग / विज्ञप्ति / 2024–25 दिनांकः–11 मार्च 2005

कुश्ती संघ के निलंबन से खिलाड़ियों का नुकसान हुआ, पहले की तरह करवाएं टूर्नामेंट

संवाददाता–गोंडा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से निलंबन हटाने के केंद्र सरकार के फैसले पर पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि 26 महीनों तक तमाम षड्यंत्र रचे गए, झूठे आरोप लगाए गए और भारतीय कुश्ती को ठप करने की कोशिशें हुईं लेकिन साजिश करने वाले अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके। इस विवाद के चलते टीम दो विश्व रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकीं, प्रशिक्षण शिविर बंद हो गए और कुश्ती जगत को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

उन्होंने कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह और अन्य पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे खिलाड़ियों के हित में निष्पक्ष निर्णय लें और किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचें। उन्होंने कहा कि अब पारदर्शी ट्रायल होने चाहिए और खिलाड़ियों को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। सरकार से मिलकर प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन और टूर्नामेंटों को गति देनी चाहिए।

बृजभूषण ने कहा कि चाहे करण भूषण सिंह हों या बृजभूषण शरण सिंह, कुश्ती संघ में उत्तर प्रदेश का नेतृत्व अहम रहा है। अब मैं महासंघ के कार्यालय से नहीं जुड़ा हूं, लेकिन खेल और खिलाड़ियों के लिए मेरा समर्थन हमेशा रहेगा।श्श उन्होंने कहा, श्शहोली से पहले यह कुश्ती से जुड़े सभी लोगों के लिए एक उपहार है। खेलों में ऐसी कई स्थितियां बनी हुई थीं, लेकिन अब न्याय हुआ है।

वहीं, महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने निलबंन हटाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और खेल मंत्री को धन्यवाद दिया। वाराणसी में संजय सिंह ने कहा कि निलंबन खत्म होने पर अब कुश्ती सुचारू रूप से चलेगी। उन्होंने कहा, श्शमैं देश और पहलवानों के हित के लिए काम कर रहा था, इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास था कि कुश्ती संघ से निलंबन हटेगा।श्श उन्होंने कहा, श्शनिलंबन हटने के बाद खिलाड़ियों को शिविर का लाभ मिलने लगेगा। कुश्ती के खिलाड़ियों का ढाई साल से शिविर नहीं लग रहा था। खिलाड़ी शिविर में नई नई तकनीक सीखते हैं। शिविर से कमजोर खिलाड़ि

पूर्वाचार्य महंत जयराम दास को संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में रामललासदन एवं रामबरन सेवा आश्रम श्रीमठ के संस्थापक सिद्ध संत महंत जयराम दास जी महाराज का बैकुंठ वास 6 मार्च 2020 फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को हुआ था और मंगलवार को श्री महाराज का पांचवा बैकुंठोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें अयोध्या के संतो महंतों के साथ–साथ गृहस्थ और नेताओं ने भी भाव रूपी श्रद्धांजलि श्री महाराज जी को अर्पित किया। श्री महाराज जी के शिष्य वर्तमान पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ राघवाचार्य महाराज ने बताया श्री महाराज जी 50 वर्ष की आयु में वैराग्य धारण किए और बड़े ही सौभाग्य की बात है श्री महाराज जी का बैकुंठ वास उसी तिथि को हुआ जिस तिथि फागुन शुक्ल पक्ष एकादशी को उनका अवतरण हुआ था।

उन्होंने कहा कि श्री गुरुदेव भगवान सेवा में विश्वास रखते थे और सेवा ही बैकुंठ वास का मुख्य कारण बनता है। इसीलिए महाराज जी के नियमानुसार आश्रम में गौ सेवा संत सेवा निरंतर चलती रहती है। श्री महाराज जी भजनानंदी संत थे, संतों की सेवा में रुचि रखते थे इसलिए निरंतर आश्रम में संत सेवा चल रही है। इस अवसर पर संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास महाराज, हनुमानगढ़ी के संत प्रभु दास उर्फ मामा दास,महंत धर्मदास, नागा राम लखन दास, महंत राम कुमार दास, पुजारी रमेश दास,संत मिथिला बिहारी दास, महंत मनीष दास सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री लाल साहब दरबार में सरकार के साथ भक्तों ने खेली होली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम लला की जन्मस्थली श्री धाम अयोध्या में वैसे तो फागुन लगते ही होली की रौनक दिखाई देने लगती है लेकिन फाल्गुन शुक्ल पक्ष की रंगभरी एकादशी तिथि से अलग ही नजर दिखाई देता है सभी मंदिरों में होली के गीत गूंजने लगते हैं और यह उत्सव अपने पूरे चरमोत्कर्ष पर पहुंच जाता है। अबीर गुलाल और विविध प्रकार के फूलों से अयोध्या के मंदिरों में होली खेली जाती है और जब 500 वर्षों के संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम लला बाल रूप में अपने जन्म स्थान पर विराजमान हो जाते हैं तो अयोध्या के लगभग 5000 मंदिरों में श्री राम लला के शाखा के रूप में सभी लोग होली उत्सव मनाने लगते हैं, 2024 में प्राण प्रतिष्ठा हुई, प्रभु श्री राम लला के जन्म स्थान में विराज होना मन होने के बाद यह दूसरी होली अयोध्या में खेली जाएगी जिसकी झलक आज से ही दिखाई देने लगी है। रामकोट कनक भवन परिसर में विराजमान श्री लाल साहब दरबार मंदिर में सोमवार रंग भरी एकादशी के दिन श्री लाल साहब सरकार भक्तों के साथ जमकर होली खेले पूरा परिसर लाल, पीला, केसरिया, बसंती हरे रंग के गुलाब से रंग गया।

श्री लाल साहब दरबार के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश शरण महाराज ने सबसे पहले सरकार को गुलाल लगे और सरकार के साथ उपस्थित संतों ने फूलों की होली खेली और जैसे ही श्री लाल साहब सरकार का आदेश हुआ भक्ति होली के रंग में रंग गए। होली के साथ–साथ सरकार को फागुन के गीत सुनाए गए। श्री महाराज जी ने बताया कि अवध में अद्भुत होली होती है भक्त और भगवान का मिलन होता है। रंगभरी एकादशी के दिन पूरी अयोध्या में होली उत्सव का शुभारंभ होता है श्री लाल साहब दरबार में यह उत्सव एक सप्ताह तक निरंतर चलता रहेगा जिसका आगाज रंग भरी एकादशी को ठाकुर जी को गुलाल लगा करके और फूलों से होली खेल करके किया गया। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में होली खेलने के लिए अयोध्या के साथ–साथ पूरे देश से लोग आते हैं उनके साथ गुलाल लगा करके होली खेली जाती है। सभी को ठाकुर जी का प्रसाद भी दिया जाता है।

जगतगुरु स्वामी श्रीधराचार्य से कथा सुन भाव विभोर हुए भक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रसिक जी विपिनश्रीवास्तव द्वारा आयोजित श्री मद भागवत कथा में जगतगुरु स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज ने कथा का विस्तार करते हुए कहा शरणागत रक्षक हैं प्रभु इंद्र वरुण आदि ने प्रभु चरणों में शरणागति कि प्रभु शरण में आए इंद्र ब्रम्हा वरुण आदि को पुनः अपना लेते हैं इससे सिद्ध होता है प्रभु पुरुषोत्तम है ऐश्वर्य से जो परिपूर्ण है वही परब्रह्म है, वही भगवान है अपने सभी इंद्रियों से जो कृष्ण रस का पान करें वही गोपी है प्रभु श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ रास बिहार तो किया लेकिन मन को उन्नत अवस्था में स्थिर कर दिया शरद ऋतु में कदंब वृक्ष के ऊपर बैठकर बंसी निनाद करते हैं जीव रूपी गोपियां प्रभु कृष्ण के आमंत्रण पर सभी कार्यों को छोड़कर प्रभु के समीप जाती हैं।भगवान श्री कृष्ण गोपियों को लौटने के लिए तर्क देते हैं, सभी गोपियां कन्हैया के तर्कों को सुनकर कहती हैं प्रभु संसार के जो संबंध आपने हमें बताए हैं वह संबंध केवल शरीर से हैं, और शरीर तक ही सीमित हैं यह संबंध बदल सकते हैं लेकिन जीव और आत्मा का संबंध नहीं बदल सकता गोपियों के तर्क को सुनकर प्रभु मौन हो गए ,गोपियों की अनन्य भक्ति देखकर रास रचौया श्री कृष्ण प्रभु सभी गोपियों के साथ रास बिहार करते हैं। कंस के बढ़ते अत्याचार को

देख कर देवर्षि नारद कंस के पास जाते हैं। अक्रूर जी को दूत बनाकर कंस भगवान श्रीकृष्ण को गोकुल से मथुरा बुलाते हैं पापी कंस के पास रहकर भी अक्रूरजी कन्हैया को सारी बात सच सच बता देते हैं भगवान श्रीकृष्ण मां देवकी और वसुदेव को कारागृह से मुक्त कराने के लिए मथुरा जाने को तैयार हो जाते हैं।भगवान कृष्ण के जाने का समाचार सुनकर सभी ग्वाल बाल गोपियां रुदन करने लगती हैं प्रभु मथुरा नगरी पधारते हैं सभी मथुरा नगर वासी कान्हा का दर्शन पाकर प्रसन्न हो जाते हैं, अनेकों जन्मों से प्रभु का इंतजार कर रही कुब्जा प्रभु को चंदन लगाती है, कान्हा का स्पर्श करने से कुब्जा नवीन रूप पा जाती है प्रभु कंस के महल में पहुंचते हैं, द्वार पर कंस ने प्रभु को मारने के लिए अनेकों योद्धा खड़े किए हैं कन्हैया सभी का वध करते हुए महल में प्रवेश करते हैं पापी कंस को प्रभु काल के रूप में ऋषि जनों को ब्रह्म के रूप में मथुरा वासियों को प्रभु कन्हैया के रूप में जिसका जो भाव है प्रभु उसी रूप में दिखाई दे रहे हैं प्रभु पापी कंस का संहार करते हैं पिता वसुदेव मां देवकी को कारागृह से मुक्त कराते हैं कंस के पिता उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाते हैं प्रभु संदीपन ऋषि के आश्रम में विद्या अध्ययन करने जाते हैं 64 दिन में सारी विद्या का अध्ययन करके प्रभु वापस आते हैं। विश्वकर्मा को आदेश देकर समुद्र के समीप दिव्य द्वारिकापुरी का निर्माण कराते हैं राजा भीष्मक की पुत्री साक्षात परम मां भगवती जगतजननी लक्ष्मी स्वरूपा रुकमणी जी अपने अनंत प्रियतम प्रभु को प्रेम पत्र देते हुए अपना भाव निवेदन करती हैं ब्राहमण देवता पत्र प्रभु श्री कृष्ण के हाथ में देते हैं पत्र को पढ़ कर के प्रभु की आंखों से अश्रुपात होने लगता है रथ में बैठकर प्रभु मां रुकमणी को लेने के लिए जाते हैं,मां रुकमणी को रथ में बिठाकर प्रभु द्वारिका में आते हैं दिव्य मंडप सजाया जाता है सभी वैदिक विधियों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण मां रुक्मणी का विवाह होता है श्री कृष्ण और रुक्मणी जी का दिव्य कल्याण उत्सव सभी भक्तों ने धूमधाम से मनाया सभी भक्तजन कथा को सुनकर हर्ष का अनुभव कर रहे कल कथा का विश्राम दिवस है।

इंडो–नेपाल बार्डर से अवैध घुसपैठ पर बांग्लादेशी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल बार्डर से अवैध घुसपैठ की कोशिश में सरहद की सुरक्षा में तैनात एसएसबी जवानों ने सोमवार की रात 11 बजे एक बांग्लादेशी नागरिक को सीमावर्ती गांव मटरा धमउर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ के लिए एसएसबी जवान से कैंप में ले गए। जांच–पड़ताल में उसके पास से देश में प्रवेश का वैधा दस्तावेज नहीं मिला। इस मामले में एसएसबी के एएसआई की तहरीर पर निचलौल पुलिस ने मंगलवार को केस दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। भारत–नेपाल सीमा पर शितलापुर में तैनात एसएसबी के एएसआई गणेश चन्द्र दास निवासी रहंगाजान थाना हेलन असम ने निचलौल पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सोमवार की रात में मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि नेपाल की तरफ से एक संदिग्ध शख्स भारत में अवैध तरीके से घुसपैठ करने की फिराक में है। उसके बाद तत्काल टीम का गठन कर बार्डर के पिलर संख्या 501ध6 से सटे मटरा गांव के पगडंडी रास्ते के पास पहुंच गए। उसी बीच एक संदिग्ध शख्स नेपाल से भारत में प्रवेश करते हुए दिखाई दिया। एसएसबी जवान घेराबंदी कर उसे रोके। पूछताछ में उसने अपना नाम सैफुल इस्लाम पुत्र ईशान अली (35) निवासी दुपूरिया पोस्ट धंसिल थाना जिनाइकटी राष्ट्र बांग्लादेश बताया। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक की तलाशी लेने पर उसके पास से नागरिकता, पासपोर्ट एवं बांग्लादेशी पहचान पत्र से संबंधित कोई भी साक्ष्य बरामद नहीं हुआ है। पकड़ा गया बांग्लादेशी व्यक्ति बांग्लादेशी भाषा स्पष्ट शब्दों में बोल रहा था। वहीं हिंदी भाषा को समझने में भी सक्षम था। भारत में प्रवेश करने का कारण पूछा गया तो उसने सही से जवाब नहीं दिया।

रंगपर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में चटक होता है समरसता का रंग

संवाददाता– गोरखपुर। सामाजिक समरसता के सतत विस्तार के साथ लोक कल्याण ही नाथपंथ का मूल है। आधुनिक कालखंड में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा विस्तारित सामाजिक समरसता के अभियान की पताका वर्तमान में गोरक्षपीठाधीश्वर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फहरा रहे हैं।

रंगों के प्रतीक रूप में उमंग व उल्लास का पर्व होली भी गोरक्षपीठ के सामाजिक समरसता अभियान का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है। ऐसे में गोरक्षपीठ की अगुवाई वाला गोरखपुर का रंगोत्सव सामाजिक संदेश के ध्येय से विशिष्ट है। गोरक्षपीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है।

गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखपुर में होली का उल्लास सामाजिक समरसता के चटक रंगों में उफान पर होता है। होलियाना माहौल में यहां निकलने वाली दो प्रमुख शोभायात्राएं खास संदेश देते हुए पूरे प्रदेश के लिए आकर्षण का केंद्र बनती हैं। इन दोनों शोभायात्राएं (होलिकादहन और होलिकोत्सव) में गोरक्षपीठ की सहभागिता होने से गोरखपुर का रंगपर्व दशकों से विशिष्ट बना हुआ है।

इन शोभायात्राओं में सामाजिक समरसता और समतामूलक समाज का प्रतिबिंब नजर आता है। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री बनने के बाद भी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद शोभायात्राओं में शामिल होते हैं।

इस साल भी 13 मार्च की शाम को पांडेयहाता से निकलने वाली होलिका दहन शोभायात्रा तथा 14 मार्च की सुबह घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा में सीएम योगी सम्मिलित होकर समरसता के रंग को और चटक करेंगे। सामाजिक समरसता का स्नेह बांटने के लिए ही गोरक्षपीठाधीश्वर दशकों से होलिकादहन तथा होलिकोत्सव (भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा) में शामिल होते रहे हैं और यह क्रम उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद भी बाधित नहीं हुआ।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में परंपरागत विधिविधान पूर्वक होलिका दहन किया जाता है। भस्म का तिलक लगाकर गोरक्षपीठाधीश्वर पावन सनातन परंपरा को अपने माथे लगाते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में गोरखनाथ मंदिर में होलिकोत्सव की शुरुआत होलिकादहन या सम्मत की राख से तिलक लगाने के साथ होती है। इस परंपरा में एक विशेष संदेश निहित होता है। होलिकादहन हमें भक्त प्रह्लाद और भगवान श्रीविष्णु के अवतार भगवान नृसिंह के पौराणिक आख्यान से भक्ति की शक्ति का अहसास कराती है। होलिकादहन की राख से तिलक लगाने के पीछे का मन्तव्य है भक्ति की शक्ति को सामाजिकता से जोड़ना।

इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कथन सतत प्रासंगिक है, 'भक्ति जब भी अपने विकास की उच्च अवस्था में होगी तो किसी भी प्रकार का भेदभाव, छुआछूत और अस्पृश्यता वहां छू भी नहीं पाएगी।' भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश देने के लिए ही गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ होलिकादहन व भगवान नृसिंह शोभायात्रा में अनवरत शामिल होते रहे हैं।

सिगरेट की खरीदारी को लेकर दो पक्षों में मारपीट

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर बाजार में नकली सिगरेट की बिक्री को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। – क्षंदपा ठींत

अम्बेडकरनगर के राजेसुल्तानपुर बाजार में नकली सिगरेट की बिक्री को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई।

अम्बेडकरनगर के राजेसुल्तानपुर बाजार में नकली सिगरेट की बिक्री को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ओमप्रकाश चौरसिया ने बताया कि वह राजेसुल्तानपुर चौक में पान की दुकान चलाते हैं। उन्होंने किराना दुकानदार अमन मदेशिया से सिगरेट मंगवाई। जांच में सिगरेट नकली निकली। ओमप्रकाश जब पैसे वापस मांगने गए तो अमन और उसके भाई अजय ने गालियां देनी शुरू कर दीं।

विरोध करने पर दोनों भाइयों ने ओमप्रकाश को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। लोहे के बाट से हमला कर उनका सिर फोड़ दिया। पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने बीच–बचाव किया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित ने 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नारी संघ ने की विचार गोष्ठी, शिक्षा और महिला अधिकारों पर जोर

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत भस्मा में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जन शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत सावित्रीबाई फुले परिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

जन शिक्षण संस्थान की पुष्पापाल ने बताया कि यह कार्यक्रम सुरहुरपुर, आजनपारा सहित 6 ग्राम पंचायतों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। महिलाओं ने उनके जीवन, आदर्शों और शिक्षा के लिए किए गए संघर्षों को याद किया।

परियोजना समन्वयक ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन शिक्षा और महिला अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने महिलाओं और पिछड़े वर्ग की शिक्षा के लिए निरंतर काम किया। आधुनिक भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में महिलाओं ने लड़कियों को बेहतर शिक्षा दिलाने की शपथ ली। उन्होंने शिक्षा का अधिकार, महिला अधिकार और रोजगार से जुड़े नारे लगाए।

इस अवसर पर सामुदायिक कार्यकर्ता रामहित, पुनीता के साथ नारी संघ की अगुवा लीडर इंद्रावती, पूनम, रेखा, गीता, लीलावती, नैना और चंद्रावती सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 305/2015
केशव प्रसाद
बनाम
सुनीता आदि

2/1 गोरख पुत्र स्व0 विनोद कुमार पाण्डेय 2/2 श्रीमती सुधा पाण्डेय विधवा पत्नी स्व0 विनोद कुमार 2/3 श्रीमती रीना देवी विवाहिता पुत्री स्व0 विनोद कुमार 2/4 कुमारी देवी पुत्री स्व0 विनोद कुमार निवासीगण ग्राम चित्राखोर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 1011/2016
शत्रुघ्न
बनाम
बब्बन

1/1 बसन्त सिंह पुत्र स्व0 बब्बन सिंह 1/2 श्रीमती सुभावती देवी पत्नी स्व0 बब्बन सिंह निवासी ग्राम नकटी देई बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरग्ज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–5360/2023
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
सुग्गा
बनाम
रामबचन आदि
मौजा बजवा तप्पा कुदारन

1. रामबचन 2. रामधनी पुत्रगण गगई 3. बलवान 4. गेल्ही 5. रुपई पुत्रगण दुर्गादीन साकिना बजवा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 19–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 09/2025
भगवान दीन –सायल

1. भगवान दीन उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र रामबहादुर साकिन रूद्रनगर तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–04–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।
एकमिन यूनिट/जोनः लखनऊ-पू0उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/पू0उ0रे0 नीलामी सूची सं0/लॉट सं0: MPS-LJND-03-25, नीलामी सूची प्रकाशन तिथि: 06-03-2025 समय 16:25 बजे, नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट): 21-03-2025 समय 10:00 बजे। नीलामी बन्द करने की तिथि व समयः 21-03-2025 समय 10:50 बजे। नीलामी का प्रकार: Close Ended, वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है: E-Auction Module of www.ireps.gov.in
सहायक वाणिज्य प्रबंधक, लखनऊ
मुजाधि/वाणिज्य-242
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–316/2024
प्रेमचन्द्र
बनाम
राविया आदि

1. राविया पुत्री नवी रसूल साकिन किठिउरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग

2. रमन अग्रहरि पुत्र अजय अग्रहरि साकिन किठिउरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

3. नीलम देवी पत्नी प्रबुद्ध कुमार साकिन लगुनही तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादिनी तृतीय वर्ग

4. दिलीप पुत्र रामा सिंह साकिन किठिउरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 21–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–262/2022
अकापती आदि
बनाम
सुशीला

1. श्रीमती सुशीला पत्नी जगमोहन निवासी ग्राम रामगढ़ तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–78/2023
राजाराम
बनाम
मदन आदि

1. मदन पुत्र राममिलन साकिन मौजा अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. राज कुमार 3. मनीष 4. अवनीश पुत्रगण अनुरूद्ध 5. कलावती पत्नी अनुरूद्ध 6. यदुराम पुत्र कलई 7. प्रेमचन्द्र 8. प्रसिद्ध पुत्रगण सीताराम 9. करोड़ा देवी पत्नी राजाराम 10. श्रवण कुमार 11. राजकुमार पुत्रगण पारसनाथ 12. हितेश चन्द्र 13. दिनेश पुत्रगण संतराम 14. श्याम नरायन पुत्र सरस्वती प्रसाद 15. विजय नरायन पुत्र सरस्वती प्रसाद 16. श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी सरस्वती प्रसाद साकिनान मौजा अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

तहसीलदार पर बिफरे डीएम, पट्टा बाबू से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने शोहरतगढ़ तहसील के निरीक्षण के दौरान पट्टा पत्रावली में नोटरी पत्र न लगे होने पर पट्टा बाबू से स्पष्टीकरण तलब किया है। वहीं वसूली रजिस्टर में आकड़ा सही न मिलने पर तहसीलदार पर बिफर पड़े। तहसील के निरीक्षण पर पहुंचे डीएम ने सबसे पहले तालाब पट्टा रजिस्टर एवं पत्रावली देखा। पट्टा पत्रावली के नोटरी पत्र न लगा होने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने पट्टा बाबू का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही आईजीआरएस रजिस्टर, आवासी पट्टा, मुलाकाती रजिस्टर, वसूली रजिस्टर को भी देखा। वसूली रजिस्टर में आकड़ा सही न मिलने पर तहसीलदार शोहरतगढ़ पर बिफर पड़े।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1009/2024
शिव कुमार
बनाम
लवकुश

1. लवकुश 2. सतीश कुमार 3. राज कुमार 4. अशोक कुमार पुत्रगण स्व0 हरिनाथ साकिनान मौजा चुईलबाबू तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–129/2022
राजेन्द्र प्रसाद
बनाम
श्रीमती रोशन खातून

1. श्रीमती रोशन खातून पत्नी मोहम्मद खलीला निवासी ग्राम बेलवाडाड़ तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

बोर्ड परीक्षा में लापरवाही का आरोपी सहायक अध्यापक निलंबित

संवाददाता– संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में माध्यमिक शिक्षा परिषद के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में लापरवाही बरतने पर प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक निलंबित हो गए। बीएसए ने निलंबित करते हुए उचित कारण के साथ स्पष्टीकरण मांगा है।

बीएसए अमित कुमार सिंह ने बताया कि सचल दल प्रभारी वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक अभिनय कुमार सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है। केंद्र व्यवस्थापक डा. भीमराव अंबेडकर इंटर कालेज गोपालपुर ने सांथा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय हंसवापार के सहायक अध्यापक महेंद्र सिंह यादव को परीक्षा अवधि में स्टेरेंज डिवाइस उपलब्ध करने निर्देशित किया था। जिसमें संबंधित 24 फरवरी से आज तक महज एक कार्य दिवस में हर उपस्थित हुए हैं। परीक्षा ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर निलंबित कर दिया गया है। इनके क्रिया–कलापों की जांच कर जा रही है। केन्द्रव्यवस्थापक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन तथा कक्ष निरीक्षकों के ड्यूटी रजिस्टर के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि महेन्द्र सिंह यादव अनधिकृत रूप से बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी से अनुपस्थित थे। खण्ड शिक्षा अधिकारी, सांथा ने अवगत कराया गया है कि महेन्द्र सिंह यादव द्वारा ड्यूटी पर नहीं जाने के सम्बन्ध में कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, सांथा को कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी गयी है। उस समय महेन्द्र सिंह यादव को आवंटित ड्यूटी पर होना चाहिए था। अत खण्ड शिक्षा अधिकारी, सांथा के पत्र से प्रथम दृष्टया स्पष्ट है कि महेन्द्र सिंह यादव अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे एवं अनुपस्थिति के सम्बन्ध में इनके द्वारा विभाग को भी कोई जानकारी नहीं दी गयी थी। उपलब्ध साक्ष्यों से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि श्री महेन्द्र सिंह यादव द्वारा बोर्ड परीक्षा जैसे अतिमहत्वपूर्ण ड्यूटी में अनुपस्थित होने के कारण परीक्षा की शुचिता पूर्ण रूप से प्रभावित हुई है। यह उप्र शासन विभाग के शीर्ष प्राथमिक कार्य एवं बोर्ड परीक्षा के बीच अपने पदीय उत्तरदायित्व का निर्वहन न करते हुए कर्तव्य की अवहेलना तथा अपने उच्चाधिकारियों द्वारा आवंटित कार्य एवं दिशा निर्देशों का पालन न करने के दोषी पाए गए हैं। सरकारी सेवक नियमावली के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्थित करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है एवं निलम्बन अवधि में प्राथमिक विद्यालय सांथा से सम्बद्ध किया जाता है तथा प्रकरण के जॉच हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड–बघौली को जॉच अधिकारी नामित किया जाता है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 571/2013
अयोध्या प्रसाद
बनाम
विजय कुमार आदि

1/2 प्रभात कुमार 1/3 नन्द लाल 1/4 केशरी लाल 1/5 अमित कुमार पुत्रगण विजय कुमार 1/6 सुधा देवी पत्नी विजय कुमार साकिनान मौजा कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 08–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 08 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान अष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरावाद सं0–03/2020
धनपत्ता आदि
बनाम
हरिश्चन्द्र आदि

1. हरिश्चन्द्र 2. रामचन्द्र 3. रामभवन पुत्रगण स्व0 पूजन निवासीगण मौजा परसहर तप्पा सिरसी परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 29–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 29 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

शिक्षक समस्याओं को लेकर बीईओ पर लगाया आरोप

संवाददाता– डुमरियागंज (सिद्धार्थनगर) राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों ने डुमरियागंज बीईओ पर कई विषयों को लेकर आरोप लगाया है। शिक्षक संघ लामबंद होकर बीईओ के कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि विभागीय मामलों के समाधान को लेकर बीईओ को विभिन्न ज्ञापन दिया गया। इसका कोई उत्तर लिखित रूप से नहीं दिया गया और न ही उसका कोई निस्तारण किया गया। ऐसे में बेसिक शिक्षा अधिकारी को दो दिन पूर्व ज्ञापन दिया गया है। ब्लॉक अध्यक्ष के मुताबिक बीएसए को दिए ज्ञापन में बकाया भुगतान, एरियर, सीसीएल अवकाश आवेदन करने पर निरस्त किए जाने, खेल, महोत्सव, पत्रकारों के नाम पर कुछ 1500 रुपये प्रति विद्यालय वसूली किए जाने, कनिष्ठ शिक्षकों को विद्यालय का प्रभार दिए जाने, शिक्षकों की सेवा पुस्तिका का मुद्दा शामिल है। ब्लॉक अध्यक्ष ने बताया कि बीईओ द्वारा एक ही दिन निरीक्षण में कुछ विद्यालयों के शिक्षकों को ऑनलाइन अनुपस्थित और कुछ विद्यालय के शिक्षकों को ऑफलाइन रजिस्टर पर अनुपस्थित या उपस्थिति रजिस्टर की फोटो खींचकर बाद में अनुपस्थित किया जाता है। यह प्रवृत्ति विभाग व शिक्षक के हित में नहीं है। आज तक इनके कार्यकाल में शिक्षकों की विभागीय बैठक भौतिक रूप से बीआरसी पर कभी नहीं की गई, जबकि महानिदेशक का आदेश है कि सभी शिक्षकों के साथ प्रत्येक माह के अंतिम दिवस को बैठक अवश्य की जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com